दुश्मनी को प्यार बना देती हैं फिल्में

चीन और जापान के बीच दुश्मनी अच्छी तरह दर्ज है। दिसंबर 1937 में नानकिंग हत्याकांड के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध बहुत खराब हो गए थे। कहा जाता है कि जापान की आर्मी ने हजारों चीनियों को मार डाला था, जिसमें जनता भी शामिल थी। जापानी सिपाहियों ने बलात्कार भी किए थे। यह घटना दक्षिण चीन समुद्र से अलग हुए इन दो देशों के बीच संबंधों के लिए हमेशा कांटे की माफिक चुभती है। समय के साथ दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध सामने आते हैं, इसलिए जापान ने टोक्यो में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए चीन को बुलाया है। दोनों देशों के संबंध मधुर हो रहे हैं, जिसका सबूत है चीनी और जापानी फिल्म। यह साफ-साफ दिख रहा है फिल्म महोत्सव में।

टोक्यो से गौतमन भास्करन

जापानी फिल्में चीन में अच्छा मुनाफा कमा रही हैं और चीनी खरीदार फिल्म बाजार में खूब आ रहे हैं।

तीन चीनी फिल्में **'सोल इन'**, **'द लीजेंड ऑफ डेमन'** और **'द लूमिंग स्टार्म'** इस फिल्म महोत्सव में दिखाई जा रही हैं। **'द लूमिंग स्टार्म'** की पृष्ठभूमि बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक की है, जब चीन पुराने को बदल कर नए तरीकों की तरफ जा रहा था और लोगों को जिंदगी खतरे में नजर आ रही थी। एक अधिकारी छोटे-से कस्बे में कई महिलाओं की हत्या की वजह से हिल जाता है। जब पुलिस रहस्य का पता नहीं लगा सकती है, तब पुरानी फैक्टरी में काम कर रहा यह अधिकारी सामने आता है मामला हल करने के लिए। फिल्म अंतिम फ्रेम तक बांधे रखती है और देखने वाले नाखून काटते नजर आते हैं। दूसरी फिल्म **'द लीजेंड ऑफ डेमन'** केट तांग वंश के जमाने की है, जब जापानी संत चीन जाता है और कवि के साथ कहासुनी के बाद मर जाता है। इस फिल्म का संबंध चेन काई गे से है और बताते हैं कि डेमन केट के पास कितनी ताकत होती है, जो आखिरकार मौत के मुंह में धकेल देती है। **'सोल इन'** में रोमांस है। यह फिल्म फूल बेचने वाले के बारे में है, जो अपने पिता के बाद मां का इंतजार करता है। यह व्यक्ति अपने घर को शव-घर में तब्दील कर देता है और आशा करता है कि कभी न कभी मां वापस लौटेगी। आत्मा के अंतिम मुकाम को टटोलती है यह फिल्म।

यह फिल्म महोत्सव जापान के लिए चीन के बदलते रुख को बताता है, जबकि हम पाकिस्तान के लिए दुश्मनी को सींच रहे हैं नफरत से। पाकिस्तान की संस्कृति से जुड़ी कोई भी चीज हमें गुस्सा दिलाती है, जबकि फिल्में जोड़ने का काम करती हैं... दिल से। ●